एम.ए. (पूर्व) हिन्दी में पांच प्रश्नपत्र होंगे। सभी प्रश्नपत्र अनिवार्य है। सैद्धांतिक परीक्षा में प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक के होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 36 प्रतिशत होगा।

प्रश्नपत्र–प्रथम
(अनिवार्य)
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पाठ्य विषय–

व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित 6 कवियों का अध्ययन किया जाएगा।

1. **विद्यापति –** विद्यापति पदावली संपा – रामवृक्ष बेनीपुरी। (कोई – 25 पद) प्रारभिक।

2. **कबीर –** कबीर ग्रंथावली, संपादक डॉ. श्यामसुंदर दास। (100 साखियाँ तथा 25 पद)
निर्धारित सांखियाँ एवं पद – गुरूदेव का अंग 1 से 10 सुमिरण का अंग 1 से 10 रह को अंग 1 से 10, ग्यान बिरह कौ अंग 1 से 10 परचा कौ अंग 1 से 10 रस कौ अंग 1 से 10, परचा को अंग 1 से 10 रस कौ अंक 1 से 5 निहकर्मी पतिव्रता 1 से 10 चितावणी 1 से 10 माय 1 से 5, काल कौ अंग 1 से 10 तक।

पद संख्या – 11, 16 ,23, 24, 27, 33, 40, 43, 51, 72, 74, 89, 92, 95, 98, 103, 108, 111, 180, 184, 287, 296, (25 पद)

3. **जायसी –** पद्मावत, संपा– आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नखशिख, नागमती वियोग खण्ड।

4. **सूरदास –** भ्रमरगीत सार, संपा– आचार्य रामचंद्र शुल्क (50 पद) पद संख्या 1 से 10, 21 से 30, 51 से 60, 61 से 70, 81 से 90, (50 पद)

5. **तुलसीदास –** रामचरित मानस (गीता प्रेस) सुंदर काण्ड 50 दोहे एवं चौपाई (प्रारंभिक)

6. **बिहारी लाल** – बिहारी रत्नाकर, संपा– जगन्नाथ प्रसाद रत्नाकर (प्रारभिक 100 दोहे)

द्रतपठन –

द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित दस कवियों का अध्ययन किया जाना है –
1. अमीर खुसरो, 2. नंद दास, 3. मीरा बाई, 4. रैदास, 5. रहीम, 6. रसखान, 7. केशवदास, 8. देव, 9. भूषण, 10. पद्माकर।

प्रश्नपत्र–द्वितीय
(अनिवार्य)
आधुनिक हिन्दी काव्य

पाठ्य विषय–

1. मैथिली शरण गुप्त – साकेत (नवम, सर्ग)
2. जय शंकर प्रसाद – कामायानी (चिन्ता, श्रद्धा, लज्जा)
3. पं. सूर्यकांत त्रिपाठी – राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति एवं कुकुरमुत्ता ''निराला''
4. सुमित्रानंद पंत – परिवर्तन मौका विहार, हिमाद्री मौन निमंत्रण आ धरती कितना देती है, शीर्षक से 5 कविताएं।
5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय – नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी।
6. नागार्जुन (10 कविताएं) – बादल को घिरते देख है, सिंदूर तिलकित भाल, बंसत की आगवानी कोई आए तुमसे सीखे, शिशिर विषकन्या, तो फिर क्या हुआ, यह तुम थी, कोयल आज बोली है, अकाल और उसके बाद, शासन की बंदूक।

द्रुतपठन –

द्रुत पाठ हेतु निम्नाकिंत 11 कवि निर्धारित है –
1. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' 2. जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' 3. महादेवी वर्मा, 4. हरिवंश राय बच्चन, 5. त्रिलोचन शास्त्री, 6. भवानी प्रसाद मिश्र, 7. धर्मवीर भारती, 8. रधुवीर सहाय, 9. घूमिल, 10. दुष्यंत कुमार, 11. मुकुटधर पांडेय।

प्रश्नपत्र–तृतीय
(अनिवार्य)
आधुनिक गद्य साहित्य

पाठ्य विषय–

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित

1. चंद्रगुप्त (जयशंकर प्रसाद)
2. आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश)
3. गोदान (मुंशी प्रेमचंद)
4. बाणभटट् की आत्मकथा (आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी)

5. **निबंध संकलन –**

आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी	–	''साहित्य की महत्ता''
आचार्य रामचंद्र शुक्ल	–	''करूणा''
आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी	–	''भारतीय साहित्य की प्राण शक्ति''
आचार्य नंद दुलारे बाजपेयी	–	''निराला''
विद्या निवास मिश्र	–	''चंद्रमा मानसो जातः''
कुबेर नाथ राय	–	''हरी हरी दूब और लाचार क्रोध''
हरिशंकर परसाई	–	''भोलाराम का जीव''

6. **कहानी संकलन –**

चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'	–	'उसने कहा था'
जय शंकर प्रसाद	–	'पुरस्कार'
प्रेमचंद	–	'मंत्र'
निर्मल वर्मा	–	'परिन्दे'
उषा प्रियंवदा	–	'वापसी'
कृष्णा सोबती	–	'कहीं नही, कोई नहीं'
रांगेय राघव	–	'बिरादरी बाहर'
चरितात्मक कृति–आवारा मसीहा	–	विष्णु प्रभाकर

द्रुतपाठ हेतु निम्नांकित नाटककार, उपन्यासकार, निबंधकार, कहानीकार और विधाओं के रचनाकारों का अध्ययन होना है –

1. **नाटककार –**
   1. भारतेन्दु हरिशचन्द्र
   2. डॉ. रामकुमार वर्मा
   3. लक्ष्मी नारायण मिश्र
   4. धर्मवीर भारती
   5. लक्ष्मी नारायण लाल

2. **उपन्यासकार –**
   1. जैनेन्द्र
   2. भगवती चरण वर्मा
   3. अमृतलाल नागर
   4. भीष्म साहनी
   5. मन्नू भण्डारी

3. **निबंधकार –**
   1. भारतेन्दु हरिशचन्द्र
   2. प्रताप नारायण मिश्र

3. बाबू श्याम सुंदर दास
4. सरदार पूर्ण सिंह
5. डॉ. नगेन्द्र

4. कहानीकार –

1. रांगेय राघव
2. अज्ञेय
3. यशपाल
4. फणीश्वर नाथ रेणु
5. भीष्म साहनी

5. स्फुट ग्रंथ –

1. अमृतराय (कलम का सिपाही)
2. शिव प्रसाद सिंह (उत्तरयोगी)
3. हरिवंश राय बच्चन (क्या भूलूं क्या याद करूँ)
4. राहुल सांकृत्यायन (घुमक्कड़ शास्त्र)
5. माखन लाल चतुर्वेदी (साहित्य देवता)

प्रश्नपत्र–चतुर्थ
(अनिवार्य)
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

पाठ्य विषय–

(क) भाषाविज्ञान –

1. **भाषा और भाषाविज्ञान –** भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा–व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक– प्रकार्य। भाषाविज्ञान– स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएं – वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।
2. **स्वनप्रक्रिया –** स्वनविज्ञान का स्वरूप एवं शाखाएं वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों की वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम का अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।
3. **व्याकरण –** रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएं, रूपिम की अवधारणा और भेदमुक्त–आबद्ध अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी रूपिक के भेद और प्रकार्य।वाक्य की अवधारण अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद वाक्य–विशलेषण, निकटस्थ–अवयव विशलेषण, गहन–संरचना और बाह्य–संरचना।
4. **अर्थविज्ञान –** अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध पर्यावरण, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ–परिवर्तन।
5. **साहित्य और भाषाविज्ञान –** साहित्य के अध्ययन में भाषा–विज्ञानों के अंगों का उपयोगिता।

(ख) हिन्दी भाषा –

1. **हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि –** प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं– वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएं। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएं – पालि, प्राकृत – शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएं। आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं और उनका वर्गीकरण।
2. **हिन्दी का भौगोलिक विस्तार –** हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी पूर्वी हिन्दी राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियां। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएं।
3. **हिन्दी का भाषिक स्वरूप –** हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था – खंड्य खंड्येतर। हिन्दी शब्द रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूपरचना– लिंग, वचन और कारक– व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम विशेषण और क्रियारूप। हिन्दी वाक्य – रचना – पदक्रम और अन्विति।
4. **हिन्दी के विविध रूप –** संपर्क – भाषा, राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम – भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की संविधानिक स्थिति।
5. **हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएं –**
   आंकड़ा – संसाधन और शब्द – संसाधन, वर्तनी – शोधक, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा – शिक्षण।

प्रश्नपत्र–पंचम
(अनिवार्य)
हिन्दी साहित्य का इतिहास

पाठ्य विषय–

1. इतिहास– दर्शन और साहित्येतिहास।
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण।
4. हिन्दी साहित्य – आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ–साहित्य, रासो–काव्य, जैन–साहित्य।
5. हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियां, काव्यधाराएं गद्य साहित्य प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।
6. पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक–चेतना एवं भक्ति–आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएं तथा उनका वैशिष्टय।
7. प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।
8. भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्व।
9. राम और कृष्ण काव्य, रामकृष्ण काव्येतर काव्य, भक्तितर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य। भक्तिकालीन गद्य– साहित्य।
10. उत्तरमध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्टभूमि, काल–सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण–ग्रंथो की परंपरा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) प्रवृत्तिया और विशेषताएं, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएं। रीतिकालीन गद्य साहित्य।
11. आधुनिककाल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक, पृष्टभूमि, सन् 1856 ई. की राजक्रांति और पुर्नजागरण।
12. भारतेंदु युग – प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।
13. द्विवेदी युग– प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।
14. हिन्दी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास छायावादी काव्य– प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।
15. उत्तरछायावादी काव्य की विविधि प्रवृत्तियां – प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता। प्रमुख साहित्यकार, रचनाएं और साहित्यिक विशेषताएं।
16. हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज आदि) का विकास।
17. हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास।
18. दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय।
19. संस्कृत साहित्य का इतिहास।
20. हिन्दीतंर क्षेत्रों तथा देशांतर में हिन्दी भाषा और साहित्य।